

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया की प्रोफेसर मिनी एस. थॉमस को आईआईटी मद्रास से एल्युमनस अवार्ड

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (IIT मद्रास) ने चेन्नई में एक शानदार समारोह में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय की डीन, प्रो. मिनी शाजी थॉमस को विशिष्ट एल्युमनस अवार्ड (DAA) से सम्मानित किया। संस्थान द्वारा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पूर्व छात्रों को डीएए से प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है। 1966 में अवार्ड्स की स्थापना के बाद से, संस्थान के 53,000+ पूर्व छात्रों में से 159 पूर्व छात्रों को इसके लिए चुना गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दुनिया भर से उपलब्धि हासिल करने वालों का एक बहुत ही अनूठा क्लब है।

डॉ. (श्रीमती) मिनी शाजी थॉमस 2016 से एनआईटी तिरुचिरापल्ली की पहली महिला निदेशक हैं, जो सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (CIE), JMI की संस्थापक निदेशक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, JMI में प्रोफेसर हैं। वह 2008-2014 तक केंद्रीय जन सूचना अधिकारी और 2005-2008, जामिया में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष भी थीं। उन्होंने केरल विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडल के साथ बी टेक, आईआईटी मद्रास से गोल्ड मेडल के साथ एम टेक और आईआईटी दिल्ली से पीएचडी पूरी की है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में, उन्होंने और उनकी टीम ने समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में मदद करने के लिए एक रणनीतिक योजना विकसित करके संस्थान के लिए एक महत्वाकांक्षी विकास पथ तैयार किया, जिसने पिछले चार वर्षों में सकारात्मक परिणाम दिखाए, जिसमें एनआईआरएफ में लगातार सुधार शामिल है। जिसकी रैंकिंग, 'इंजीनियरिंग' में 12वें स्थान से 9वें और 'समग्र' श्रेणियों में 34वें से 23वें स्थान पर है। उन्होंने एनआईटी तिरुचिरापल्ली में उद्योग से 190 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 'विनिर्माण' में अपनी तरह का पहला उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया।

उन्होंने पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (SCADA) सिस्टम, सबस्टेशन और एम्प. वितरण स्वचालन और स्मार्ट ग्रिड में व्यापक शोध कार्य किया है। उन्होंने भारत के व्यापक ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए, विद्युत उपयोगिताओं से उद्योग के लिए तैयार स्नातकों और इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने के लिए, JMI में भारत में अपनी तरह की पहली SCADA प्रयोगशाला और सबस्टेशन ऑटोमेशन प्रयोगशाला स्थापित की है। उनका जुनून शिक्षण है और उन्होंने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, जेएमआई फैकल्टी में पहला पूर्णकालिक एम टेक कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने पाठ्यपुस्तक 'पावर सिस्टम SCADA और स्मार्ट ग्रिड' और कई पुस्तक अध्याय लिखे।

उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/सम्मेलनों में 140 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और 16 पीएच.डी. का पर्यवेक्षण किया है।

उन्हें अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार मिले, जिनमें युवा शिक्षकों के लिए 'कैरियर पुरस्कार' और आईईईई ईएबी 'सतत शिक्षा में मेधावी उपलब्धि पुरस्कार' शामिल हैं। वह आईईईई के वैश्विक

बोर्डों में शामिल होने वाले एशिया प्रशांत क्षेत्र के कुछ मुट्ठी भर लोगों में शामिल हैं। उन्होंने दुनिया भर में यात्रा की है और कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिया है। वह शास्त्री-इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष हैं, और इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम के बोर्ड में निदेशक हैं।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उनके अपार योगदान के लिए, IIT मद्रास और इसके पूर्व छात्रों को यह पुरस्कार प्रो. (श्रीमती) मिनी शाजी थॉमस को प्रदान करने पर गर्व है।

अधिक जानकारी <https://acr.iitm.ac.in/distinguished-alumnus-awardees/> पर उपलब्ध है।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया